केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, ५ जुलाई, २०१५ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (५१)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (४९)		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

प्रवीण - २

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''दवाई लेने आई हूँ, दरवाज़ा खोलो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''आपने क्या सोचकर यह निर्णय लिया है ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''सोरठ देश में कोई जीवनमुक्ता प्रकट हुए हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. समस्त क्रियायें करते समय भगवान के स्वरूप में वृत्ति रख कर करनी चाहिये ।
२. बुआजी के घर से श्रीजीमहाराज और संत-भक्त भोजन किए बिना हि लौट गए ।
३. सत्संगिजीवन ग्रंथ संप्रदाय का संस्कृत भाषा में रचित मुख्य ग्रंथ है ।
४. उकाखाचर सभा में देर से आये ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. बंधिया के डोसाभाई । **अथवा** २. अलैया खाचर ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. संप्रदाय के शास्त्र : वचनामृत । **अथवा** ४. अद्‌भुतानंद स्वामी ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. श्रीजीमहाराज ने आज्ञा पालन के बारे में वच. ग. म. ५१ मे क्या कहा है ? गुण : १

....

....

२. स्वामीने अपनी बात में कहा है ''मैं तो चिरंजीव हूँ'' इसका मतलब क्या होता है ? गुण : १

....

....

३. कैसे संत जंगमतीर्थ कहे जाते हैं ? गुण : १

....

....

४. कौन सी भक्ति निर्विघ्न भक्ति है ? गुण : १

....

....

५. श्रीजीमहाराज ने का. ६ में कौन से दो भक्तराज की प्रशंसा की है ? गुण : १

....

....

६. गणपतिजी क्यों परेशान थे ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ 'भक्त पर यदि दुःखो.....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए ।**
(कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : जनमंगलस्तोत्रम्

१. धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष इन चार पुरुषार्थों की सिद्धि के लिए इस स्तोत्रमंत्र का जाप किया जाता है । **२.** उस के रचियता ऋषि शतानंद मुनि हैं । **३.** इस स्तोत्र में १ से ९ तक के नाम श्रीहरि के मानुषी (दिव्य) स्वरूप को उजागर करते हैं। **४.** १० से १६ तक के नाम भगवान स्वामिनारायण के वनविचरण की स्मृति करवाते हैं । **५.** इस स्तोत्रमंत्र के आश्रयस्तंम्भ भी 'भक्तिनंदन' श्रीहरि हैं । **६.** अक्षर के दो स्वरूप का वर्णन है । **७.** १० से १६ तक के नाम धर्मभक्ति के घर पर रहकर किए चरित्रों की स्मृति करवाते हैं । **८.** जिस प्रकार अक्षरधाम की मूर्ति गुणातीत है, वैसे ही मनुष्याकार मूर्ति भी गुणातीत है । **९.** इसके देवता 'धर्मनंदन श्रीहरि' है । **१०.** यज्ञों के द्वारा मात्र स्वर्गादि सुख की प्राप्ति होती है । **११.** जनमंगल नामावलि में ११२ नामों है । **१२.** इसकी शक्ति बृहदव्रतधर श्रीहरि हैं ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित कीर्तन / जनमंगलस्तोत्रम् / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री सत्यप्रतिज्ञाय नमः .....

.....

.....

..... ॐ श्री निरह्ङ्कृतये नमः । गुण : २

२. होत पालन प्रालय .....

.....

.....

..... पुरुष अकामी ॥ गुण : २

३. मायामयाकृति .....

.....

.....

..... प्रपधे । गुण : २

४. ब्रह्मभूतः प्रसन्नात्मा ..... लभते पराम् ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''घर में दाना-पानी, गुड़-घी की कमी है ? जो तुम ऐसी चीजें खाते हो ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''इनके तो हम हमेशा के जमान है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम

३. ''कोई उत्कृष्ट श्रद्धावान् मुमुक्षु मिल जाए तो पूरा ज्ञान उसीको देना चाहते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. साधु घनश्यामदास को निश्चय हुआ कि स्वामी ही अक्षर है ।
२. गुणातीतानंद स्वामी ने महाराज के प्रासादीक वस्त्र का स्वीकार नहीं किया ।
३. गुणातीतानंद स्वामी ने कहा ''बाजारु कांटें से आदमी मर भी सकता है ।''
४. महाराज ने मूलजी के सांख्य ज्ञान की बहुत प्रशंसा की ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

( )

गुण : ३

( )

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. रामा हाटी ने पंचव्रत धारण किए ।

२. अनादि के सेवक ।

३. स्वामी ने वालेरा वरु की संपत्ति वापस दिलवाई ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. रोटी और आमरस के भोजन के बाद कीर्तन गाने के लिए कौन कौन खडे हुए ?

गुण : १	

.....

.....

२. छः ग्रंथियों के नाम लिखिए ?

गुण : १	

.....

.....

३. स्वामी महाराज के पुरुषोत्तम स्वरूप की बाते करते तब गोपालानंद स्वामी खुब प्रसन्न होकर क्या कहते ?

गुण : १	

.....

.....

४. गुणातीतानंद स्वामी छत के नीचे किसकी भाँति क्यों खड़े थे ?

गुण : १	

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

५. श्रीजीमहाराज ने रघुवीरजी महाराज को स्वप्न में दर्शन देकर क्या कहा ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. अंतिम लीला । २. मैं आपमें निरंतर रहता हूँ ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. संतों को शिक्षावचन । गुण : २

(१) ☐ हमने तीन सौ व्यक्ति को ब्रह्मविद्या सीखाई हैं ।

(२) ☐ गुरु की लाज रखनी चाहिए ।

(३) ☐ जूनागढ़ के संत मंदिर की सेवा में अपने शरीर की परवाह तक नहीं करते ।

(४) ☐ मरे मोवडी ।

२. तुलसी दवे को समाधि । गुण : २

(१) ☐ प्रकृत्तिपुरुष का लोक देखा । (२) ☐ अयोध्याप्रसादजी महाराज के दर्शन हुए ।

(३) ☐ सात प्रश्न पूछे । (४) ☐ देहभाव मिट गया ।

३. जूनागढ़ के मंदिर के महंतपद पर । गुण : २

(१) ☐ वढवाण में तद्रुपानंद स्वामी को महंत बनाना ।

(२) ☐ परमानंद स्वामी भी सहाय में रहेंगे ।

(३) ☐ डांगरावाले निर्गुणानंद स्वामी को बुलाइए ।

(४) ☐ नागर अमलदार कृष्णपंथी है ।

४. थाणागालोल के जसा भगत । गुण : २

(१) ☐ गुणातीतानंद स्वामी ने गाँव छोड ने की मना की थी ।

(२) ☐ घर से रोटी और सब्जी लाने को कहा ।

(३) ☐ महाराज की आज्ञा का दृढ़ पालन करना और उत्सव पर आते रहना ।

(४) ☐ दान-धर्मादा निकालते नहीं है, इसलिए यह दु:ख आया ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **सेवा करे वही महंत :** विक्रम संवत् १८१७ में विहारीलालजी महाराज ब्रह्मचारी की आज्ञा अनुसार तीर्थवासी होकर गढ़डा ब्रह्मचारी का समागम करने पधारे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **नागर भाविक का परिवर्तन :** इस वणिक भक्त के मन में भाव उठा कि स्वामी तो इतने बड़े आश्रम के भंडारी हैं । अत: सदैव काजु-बदाम ही खाते होंगे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **जीव का उलटा स्वभाव :** माणावदर गाँव के जसराजभाई पटेल के पुत्र को ऐसा ही हुआ । उसका नाम था वासु । वह आचार्य महाराज का समागम करने वड़ताल आया करता था ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **वेदांतियों का पराजय :** अहमदाबाद में नागरो का प्रभाव खूब था । वे अपने पुराणों के मिथ्या ज्ञान के बल पर किसी को ब्रह्मज्ञान से जुड़ने नहीं देते थे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **जूनागढ़ में मंदिरनिर्माण का प्रारंभ :** मांगरोल गाँव के ठाकुर जीवाभाई दरबार ने गढडा में मंदिर करने हेतु अपना दरबार और बाडी स्वामी को अर्पण किया था ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **निर्मानिता :** डभाण में संवत् १९१४ की पौषी पूर्णिमा का उत्सव करके स्वामी खंभात के कोठारी अंबालाल और पार्षदों के आग्रह से संत-हरिभक्तों के संघ के साथ खंभात पधारे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**